Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2021 = 7.380, www.srjis.com
PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL, MAY-JUNE, 2022, VOL- 10/71

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की बहुबुद्धि एवं पारिवारिक वातावरण का अध्ययन

धर्म वीर गंगवार[1] & संतोष अरोरा[2], Ph.D.

[1]शोध छात्र, बी.एड. / एम.एड. विभाग, ज्योतिबाफूले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय (बरेली)

[2]प्रोफेसर, बी.एड. / एम.एड. विभाग, महात्मा महात्मा ज्योतिबाफूले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय (बरेली)

Paper Received On: 22 JUNE 2022
Peer Reviewed On: 27 JUNE 2022
Published On: 28 JUNE 2022

Abstract

प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की बहुबुद्धि एवं पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करना है। बहुबुद्धि का अध्ययन करने के लिए स्वनिर्मित बहुबुद्धि परीक्षण तथा पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करने हेतु आलिया अख्तर एवं डा0 भौल बाला सक्सेना के द्वारा निर्मित गृह वातावरण मापनी का उपयोग किया गया। प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श के रूप में बरेली जिले के शहरी क्षेत्र में उत्तर प्रदश माध्यमिक शिक्षा परिशद, प्रयागराज तथा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिशद, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त विद्यालयो से कक्षा 11 में अध्ययनरत कुल 490 विद्यार्थियों का चयन सामान्य यादृच्छिक विधि से किया गया, जिसमें 242 छात्र तथा 248 छात्रायें शामिल थी। परिणाम में माध्यमिक स्तर पर 44.90% औसत, 4.69% अति उत्तम व 27.35% विद्यार्थी निम्न स्तर की बहुबुद्धि के प्राप्त हुए। माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत 32.25% विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का स्तर औसत, 10% का अत्यधिक अनुकूल तथा केवल 01 विद्यार्थी का अत्यधिक प्रतिकूल स्तर का प्राप्त हुआ। बहुबुद्धि व पारिवारिक वातावरण के मध्य उच्च सार्थक सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ।

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

1.1 प्रस्तावना

परिवार बच्चों की प्रारम्भिक तथा बड़ी प्रभावशाली पाठशाला है, वही स्कूल एवं बाह्य विद्यालयों में बच्चों को अक्षर ज्ञान से लेकर कुछ सीमित विशयों का बोध कराया जाता है तथा पाठ्यक्रम पूरा करा देना ही शिक्षण संस्थाओं का कार्य होता है, इनका बच्चे के वास्तविक जीवन निर्माण से कोई महत्व नही है। वहीं बच्चा परिवार में जीवन के महत्वपूर्ण पाठ सीखता है। चरित्र का निर्माण तथा व्यावहारिक जीवन से सम्बन्धित बच्चे जितना कुछ परिवार की पाठशाला में सीखते है उतना अन्य किसी संस्था में नही सीखता। बालक के विकास के लिए शिक्षा अति आव यक है। शिक्षा के लिए वास्तविक पृश्ठभूमि परिवार से ही प्राप्त होती है। पारिवारिक सदस्यों की शिक्षा, परिवार का आकार, स्वरूप, आदि का प्रभाव व्यक्ति की शिक्षा तथा बुद्धि पर पड़ता है। व्यक्ति की बुद्धि के विकास के लिए सकारात्मक वातावरण की अहम भूमिका होती है जो कि परिवार से प्राप्त होता है।

शहजादा(2011) माता की शिक्षा का विद्यार्थियों की भाशात्मक, गणितीय व संगीत बुद्धि के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध जबकि स्थानिक, शारीरिक गतिमानी, अर्न्तवैयक्तिक, अन्तःवैयक्तिक एवं प्राकृतिक बुद्धि के मध्य नगण्य सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ।

चौधरी(2013) पारिवारिक वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया।

अयडेमिर एवं कराली(2014) पिता की शैक्षिक योग्यता एवं परिवार की मासिक आय के आधार पर बहुबुद्धियों में सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया जबकि माता की शैक्षिक योग्यता, भाई बहिनों की संख्या एवं माता पिता के व्यवसाय के आधार पर बहुबुद्धियों में सार्थक सहसम्बन्ध प्राप्त नही हुआ।

1.2 उद्देश्य

1.माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की बहुबुद्धि का अध्ययन करना।

2.माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करना।

3.माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की बहुबुद्धि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।

1.3 शोध परिकल्पना

1.माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की बहुबुद्धि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

1.4 शोध प्रारूप

प्रस्तुत शोध कार्य में भाोधकर्त्ता के द्वारा सर्वेक्षण शोध विधि का प्रयोग किया गया। अध्ययन में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिशद, प्रयागराज एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिशद, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त बरेली शहर में संचालित विद्यालयों से कक्षा 11 में अध्ययनरत कुल 490 छात्र एवं छात्राओं का चयन सामान्य यादृच्छिक रूप से किया गया, जिसमें 242 छात्र एवं 248 छात्राओं को सम्मिलित किया गया। बहुबुद्धि का अध्ययन करने हेतु भाोधार्थी द्वारा स्वनिर्मित बहुबुद्धि परीक्षण का उपयोग किया गया। परीक्षण में 10 प्रकार की बहुबुद्धियों जैसे भाशात्मक, गणितीय, स्थानिक, शारीरिक गतिमानी, संगीत, अर्न्तवैयक्तिक, अन्तःवैयक्तिक, प्राकृतिक, अस्तित्वात्मक एवं आध्यात्मिक बुद्धियों से सम्बन्धित कुल 68 पदों को सम्मिलित किया गया। पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करने हेतु आलिया अख्तर एवं भौल बाला सक्सेना (2013) के द्वारा निर्मित गृह वातावरण मापनी का उपयोग किया गया। प्रश्नावली में कुल 50 प्रश्न गृह परिवेश के 10 आयामों पर हैं। ये आयाम सुरक्षा, अभिभावको की सहभागिता, शैक्षिक प्रोत्साहन, पुरस्कार देना, अभिभावको की सक्रियता, दण्ड, पारिवारिक घटनाओं में सहभागिता, नियंत्रण, वर्जनाहीनता व अभिभावको की आशायें या उम्मीदे हैं। आंकडों के विश्लेशण के लिए प्रतिशत और सहसम्बन्ध का प्रयोग किया गया।

Copyright © 2022, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

1.5 आंकड़ों का विश्लेशण एवं व्याख्या

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की बहुबुद्धि का अध्ययन करना हैं। प्राप्त प्रदत्तों की व्याख्या इस प्रकार हैं–

तालिका संख्या 1: माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की बहुबुद्धि का अध्ययन (N=490)

क्रम सं0	बहुबुद्धि के स्तर	छात्र	छात्राएं	कुल
1	अति उत्तम (303 से अधिक)	7.43% (18)	2.01% (05)	4.69% (23)
2	उत्तम (275 से 302 तक)	12.81% (31)	29.44% (73)	21.22% (104)
3	औसत (246 से 274 तक)	43.81% (106)	45.97% (114)	44.90% (220)
4	निम्न (217 से 245 तक)	32.65% (79)	22.18% (55)	27.35% (134)
5	अति निम्न (216 से कम)	3.30% (08)	0.40% (01)	1.84% (09)

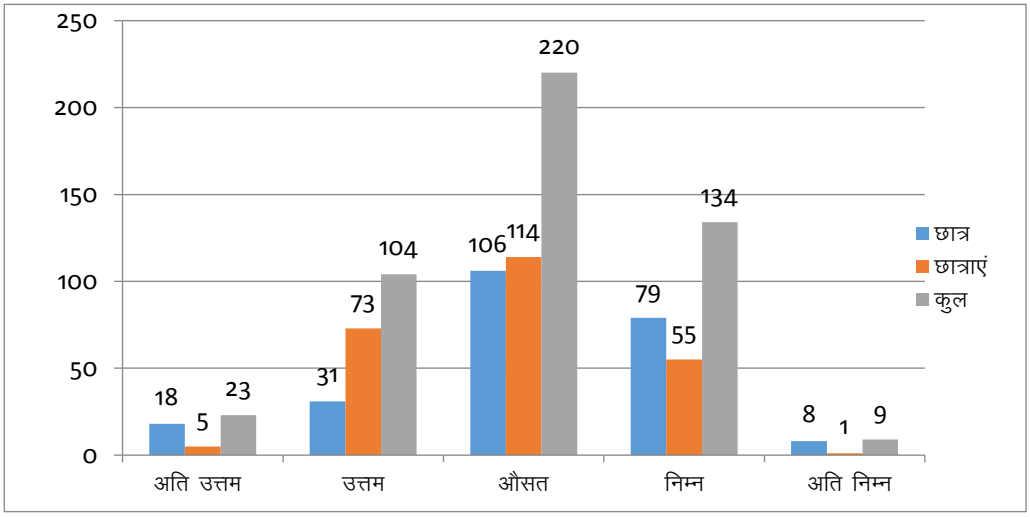

उपरोक्त तालिका 01 के अवलोकन से में ज्ञात होता है कि अधिकांश विद्यार्थी 44.90% औसत बहुबुद्धि वाले है जबकि 27.35% विद्यार्थी निम्न बुद्धि रखते हैं। उत्तम बहुबुद्धि वाले विद्यार्थियों का प्रतिशत कुल 21.22% है।

बहुबुद्धि के संदर्भ में अधिकांश छात्र 43.81% औसत बहुबुद्धि रखते है जबकि 32.65% छात्र निम्न बहुबुद्धि रखते है। अति उत्तम बहुबुद्धि रखने वाले छात्रों का प्रतिशत 7.43 है।

इसी प्रकार 45.97% छात्राएं औसत बहुबुद्धि रखती है जबकि उत्तम और निम्न बहुबुद्धि रखने वाली छात्राओं का प्रतिशत क्रमशः 29.44% व 22.18% है। **रिडवन (2015)** ने अपने अध्ययन में पाया कि 80.6% छात्र अस्तित्वात्मक व अर्न्तवैयक्तिक बुद्धि , 74.2% भाशात्मक व प्राकृतिक बुद्धि, 67.7%

Copyright © 2022, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तार्किक गणितीय व संगीत बुद्धि, 58.1% स्थानिक दृश्यिक बुद्धि, 51.6% शारीरिक गतिमानी बुद्धि में विद्यार्थी श्रेश्ठ प्राप्त हुए। छात्रों की संख्या बहुबुद्धि में अति उत्तम स्तर पर अधिक होने का प्रमुख कारण अभिभावकों का लड़कों की शिक्षा व्यवस्था व उनकी रूचि आदि पर अधिक ध्यान देना हो सकता है।

तालिका संख्या 2: माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन

(N=490)

क्रम सं0	पारिवारिक वातावरण के स्तर	छात्र	छात्राएं	कुल
1	अत्यधिक अनुकूल (180 से अधिक)	6.62% (16)	13.30% (33)	10% (49)
2	अधिक अनुकूल (162 से 179 तक)	9.09% (22)	22.59% (56)	15.92% (78)
3	औसत से अधिक (143 से 161 तक)	40.91% (99)	39.92% (99)	40.40% (198)
4	औसत (95 से 142 तक)	41.74% (101)	22.99% (57)	32.25% (158)
5	प्रतिकूल (85 से 94)	1.23% (03)	1.20% (03)	1.23% (06)
6	अधिक प्रतिकूल (82 से 84)	–	–	–
7	अत्यधिक प्रतिकूल (82 से कम)	0.41% (01)	–	0.20% (01)

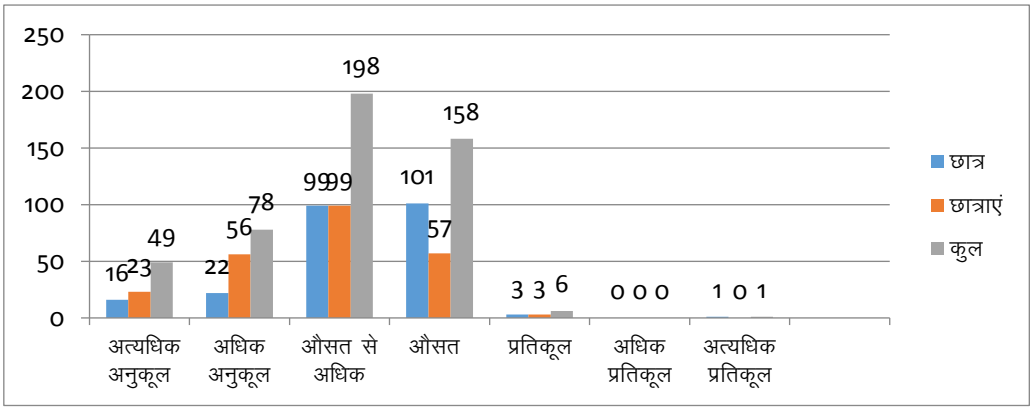

तालिका 02 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि 32.25% विद्यार्थी अपने पारिवारिक वातावरण को औसत स्तर का मानते है। 10% विद्यार्थी अत्यधिक अनुकूल जबकि 0.20% विद्यार्थी अत्यधिक प्रतिकूल स्तर का मानते है। लिंग के आधार पर 41.74% छात्र पारिवारिक वातावरण को औसत, 6. 62% अत्यधिक अनुकूल तथा 0.41% अत्याधिक प्रतिकूल स्तर का मानते है। छात्राओं में 22.99% छात्राएं पारिवारिक वातावरण को औसत जबकि 13.30% अत्यधिक अनुकूल स्तर का मानती है। **लाऊ एवं नोंक (2000)** के शोध में पारिवारिक वातावरण, तनाव एवं स्वःसंकल्पना चरों के लिए पूर्वानुमान प्रस्तुत करता है तथा उच्च पारिवारिक वातावरण, विद्यार्थियो का सकारात्मक विकास करने के साथ–साथ कम तनाव तथा उच्च स्वःसंकल्पना के विकास में योगदान करता है।

Copyright © 2022, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तालिका संख्या 03–: बहुबुद्धि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन (N=490)

क्रम सं0	बहुबुद्धि / पारिवारिक वातावरण	सुरक्षात्मक	अभिभावको का हस्तक्षेप	शैक्षणिक प्रेरणाएं	पुरस्कार	माता पिता के गुण	दण्ड	पारिवारिक कार्यों में सहभागिता	नियंत्रण	सहनभीता	अभिभावकों की उम्मीदें	कुल
01	भाशात्मक बुद्धि	0.060	0.040	–0.008	0.027	0.009	–0.035	0.077	–0.057	0.039	0.150*	**0.085**
02	तार्किक गणितीय बुद्धि	0.081	0.020	0.048	0.054	0.023	–0.062	0.065	–0.017	0.113	0.106	**–0.026**
03	स्थानिक बुद्धि	0.035	0.007	–0.055	–0.031	–0.055	–0.038	0.059	–0.005	0.067	0.020	**–0.015**
04	शारीरिक गतिमानी बुद्धि	–0.025	–0.091	–0.106	–0.024	–0.084	–0.057	–0.028	–0.016	–0.004	0.028	**–0.044**
05	संगीतात्मक बुद्धि	0.003	–0.017	–0.081	–0.040	–0.038	–0.015	0.050	–0.024	0.015	0.029	**0.008**
06	अर्न्तवैयक्तिक बुद्धि	–0.079	–0.017	0.013	0.035	–0.011	–0.127*	–0.105	–0.036	–0.049	0.030	**0.055**
07	अन्तःवैयक्तिक बुद्धि	0.047	0.131*	0.110	0.162*	0.123*	–0.145*	–0.01	–0.110	0.018	0.108	**0.077**
08	प्राकृतिक बुद्धि	–0.004	0.097	0.106	0.141*	0.113	–0.165	–0.068	–0.079	0.014	0.110	**0.034**
09	अस्तित्वात्मक बुद्धि	0.042	0.100	0.132*	0.169*	0.085	–0.140*	–0.034	–0.084	0.008	0.086	**0.062**
10	आध्यात्मिक बुद्धि	0.007	0.072	0.062	0.129*	0.076	–0.067	0.037	–0.029	0.119*	0.151*	**0.221***
11	**कुल**	**0.151***	**0.132***	**0.160***	**0.141***	**0.123***	**0.174***	**0.097**	**0.190***	**0.241***	**0.256***	**0.966***

0.01=0.115*

तालिका संख्या 03 में प्रदर्शित आंकड़ों से स्पश्ट है कि बहुबुद्धि व पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का सांख्यिकी मान 0.966 प्राप्त हुआ जो कि 0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मान से अधिक है, स्पश्ट है कि बहुबुद्धि व पारिवारिक वातावरण के मध्य उच्च सकारात्मक सार्थक सहसम्बन्ध है। अतः शोध हेतु निर्मित भून्य परिकल्पना कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियो की बहुबुद्धि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है, को अस्वीकार किया जाता हैं। **इरकान व**

Copyright © 2022, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

ओजतुर्क (2013) के शोध में भी ज्ञात हुआ कि विभिन्न सामाजिक आर्थिक क्षेत्र विद्यार्थियों की बहुबुद्धि को प्रभावित करते हैं।

बहुबुद्धि व पारिवारिक वातावरण के विभिन्न आयामों के मध्य सहसम्बन्ध ज्ञात करने पर भाशात्मक बुद्धि व अभिभावकों की आशाएं, अन्तःवैयक्तिक बुद्धि व अभिभावकों का हस्तक्षेप, पुरस्कृत करना ,माता–पिता के गुण, प्राकृतिक बुद्धि व पुरस्कृत करना, अस्तित्वात्मक बुद्धि व शैक्षणिक उद्दीपक, पुरस्कृत करना, आध्यात्मिक बुद्धि व पुरस्कृत करना, सहनशीलता, अभिभावकों की आशाएं पारिवारिक वातावरण के आयामों के मध्य सार्थक सकारात्मक सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ, जबकि बहुबुद्धि की अर्न्तवैयक्तिक, अन्तःवैयक्तिक, प्राकृतिक, अस्तित्वात्मक बुद्धि व पारिवारिक वातावरण के दण्ड देना आयाम के मध्य सार्थक नकारात्मक सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ। **ओंजाबासी, एन0 (2016) व नाईक व भुक्ला (2018)** के अध्ययनों में भी पारिवारिक वातावरण व संवेगात्मक बुद्धि के मध्य सकारात्मक सम्बन्ध प्राप्त हुआ। **जयन्थी व श्री निवासन (2015)** के अध्ययन में पारिवारिक वातावरण व गणितीय शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ। **अएडीन व ओजटूटून्सू (2001) व जोगसन (2012)** के भोध कार्यो के निश्कर्श से जानकारी प्राप्त हुई कि पारिवारिक वातावरण विद्यार्थियों के मानसिक तनाव व नकारात्मक विचारों को प्रभावित करता हैं। चौधरी (2013), बरमोला (2013) व सत्यभामा व ईलजों (2014) के अध्ययनों में भी पारिवारिक वातावरण व मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सार्थक सम्बन्ध प्राप्त हुआ।

1.6 निश्कर्श

(01) माध्यमिक स्तर पर 44.90% औसत, 4.69% अति उत्तम व 27.35% विद्यार्थी निम्न स्तर की बहुबुद्धि के प्राप्त हुए। माध्यमिक स्तर पर अधिकांश विद्यार्थी औसत बहुबुद्धि वाले है, जबकि 5% विद्यार्थी ही अति उत्तम बहुबुद्धि वाले है। अतः यह माना जा सकता है कि विद्यार्थियों में माध्यमिक स्तर पर विशेश क्षेत्र में बहुबुद्धि विकसित हो जाती है।

(02) माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत 32.25% विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का स्तर औसत, 10% का अत्यधिक अनुकूल तथा केवल 01 विद्यार्थी का अत्यधिक प्रतिकूल स्तर का प्राप्त हुआ। 41.74% छात्रों के पारिवारिक वातावरण का स्तर औसत, 6.62% का अत्यधिक अनुकूल तथा 01 छात्र का अत्याधिक प्रतिकूल स्तर का प्राप्त हुआ। 22.99% छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का स्तर औसत जबकि 13.30% का अत्यधिक अनुकूल स्तर का प्राप्त हुआ।

(03) बहुबुद्धि व पारिवारिक वातावरण के मध्य उच्च सार्थक सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ। बहुबुद्धि व पारिवारिक वातावरण के विभिन्न आयामों के मध्य जैसे भाशात्मक बुद्धि व अभिभावकों की आशाएं, अन्तःवैयक्तिक बुद्धि व अभिभावकों का हस्तक्षेप, पुरस्कृत करना ,माता–पिता के गुण, प्राकृतिक बुद्धि व पुरस्कृत करना, अस्तित्वात्मक बुद्धि व भौक्षणिक उद्दीपक, पुरस्कृत करना, आध्यात्मिक बुद्धि व पुरस्कृत

Copyright © 2022, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

करना, सहनशीलता, अभिभावकों की आशाएं पारिवारिक वातावरण के आयामों के मध्य सार्थक सकारात्मक सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ। बहुबुद्धि की अर्न्तवैयक्तिक, अन्तःवैयक्तिक, प्राकृतिक, अस्तित्वात्मक बुद्धि व पारिवारिक वातावरण के दण्ड देना आयाम के मध्य सार्थक नकारात्मक सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

आलिया, अख्तर व सक्सेना, एस0 बी0(2013). नेशनल साइकोलॉजी कारपोरेशन.आगरा.

शहजादा,जी0 (2011). मदर एजुकेशन एण्ड स्टूडैंट मल्टीपल इंटेलीजेंस. मेडीटेरानिअन जर्नल ऑफ सोशल साइंस, 02(02, पृश्ठ संख्या 373–377.

अयडेमिर,एच0 व कराली, वाई0(2014). स्टडी ऑफ सेकेन्डरी स्कूल स्टूडेन्ट मल्टीपल एरिया (मलाटया केस). प्रोसीडिया सोशल एण्ड बिहेबिरल साइंस,152, पृश्ठ संख्या 167–172.

चौधरी, एन0 के0(2013). ए स्टडी आंफ मेण्टल हेल्थ इन रिलेसन टू फैमिली इनवांयरमेण्ट एण्ड जेण्डर आंफ स्कूल गोइंग एडोलसन्स. इण्डियन जर्नल आंफ रिसर्च, 03(04),पृश्ठ संख्या 61–62.

अजाम,ए0ए0 व हेमातिपूर,ओ0(2018). द रिलेशनसिप बिटवीन मल्टीपल इंटेलीजेंस एण्ड हेल्थ लिटरेसी इन हेल्थ स्टूडेन्ट इन गोनाबाद यू0एम0एस0. जर्नल ऑफ कम्यूनिटी हेल्थ रिसर्च, 07(01), पृश्ठ संख्या 48–56.

चौधरी, एन0 के0(2013). ए स्टडी ऑफ मेण्टल हेल्थ इन रिलेशन टू फैमिली इनवायरमेण्ट एण्ड जेंडर ऑफ स्कूल गोइंग एडोलसंस. इण्डियन जर्नल ऑफ रिसर्च, 03(04), पृश्ठ संख्या 61–62.

हुडा, मा0 व रानी, दे0(2017). रिलेशनसिप आंफ क्रिएटिव थिंकिग एबीलिटीस विद् फैमिली इनवांयरमेण्ट एण्ड इंटेलीजेन्स एमौंग सिनियर सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेण्ट. इंटरनेशनल एजूकेशन एण्ड रिसर्च जर्नल, 03(07),पृश्ठ संख्या 101–103.

कुमार, आर0, व लाल, आर0(2014). स्टडी ऑफ एकैडमिक अचीवमेंट इन रिलेशन टू फैमिली इनवायरमेण्ट एमौंग एडोलसंस. द इण्टरनशेनल जर्नल ऑफ इण्डियन साइकोलॉजी, 02(01), पृश्ठ संख्या 146–155.

Copyright © 2022, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies